

[Secretary]

- (3) The Appropriation (No. 2) Bill, 1969.
- (4) The Appropriation (Railways) Bill 1969.
- (5) The Appropriation (Railways) No. 2 Bill, 1969.
- (6) The Payment of Bonus (Amendment) Bill, 1969.
- (7) The Public Wakfs (Extension of Limitation) Amendment Bill, 1969.
- (8) The Limitation (Amendment) Bill, 1969.
- (9) The Delhi Motor Vehicles Taxation (An edment) Bill, 1969.

ESTIMATES COMMITTEE  
SEVENTY-SIXTH REPORT

SHRI P. VENKATASUBBAIAH (Nandyal) : I beg to present the Seventy-sixth Report of the Estimates Committee on the Ministry of Food, Agriculture, Community Development and Cooperation (Department of Agriculture)—Forestry.

PUBLIC ACCOUNTS COMMITTEE  
FIFTY-EIGHTH REPORT

SHRI M. R. MASANI (Rajkot) : I beg to present the Fifty-eighth Report of the Public Accounts Committee on Audit Report (Civil), 1968 relating to the Department of Agriculture (Central State Farm, Suratgarh).

12.23-1/2 hrs.

STATEMENT RE. PRIME MINISTER'S  
RECENT VISIT TO BURMA

MR. SPEAKER : The Prime Minister.

SHRI SHIV CHANDRA JHA (Madhubani) : On a point of order, Sir.

MR. SPEAKER : You have written to me saying that you are going to object to the statement, but I have disallowed it.

श्री मधु लिमये (मुंगेर) : आप मुन लीजिए, फ़िर नियम के बाहर घोषित कर दें।

श्री शिव चन्द्र झा : मैंने आपको लिख कर भी दे दिया है इसके बारे में। अध्यक्ष महोदय, यह बहुत आसान होता है बोलना और वक्तव्य देना जब आदमी वैली ऑफ़ डैय से बाहर आ जाता है। इम्तहान उस वक्त होता है जब वैली आफ डैय से आवाज निकले। मुसीबत जब होती है तब आवाज निकले, तब इम्तहान होता है।

हिन्दुस्तान और बर्मा के बीच जो समस्याएँ हैं उनका समाधान दोस्ताना तरीके से हो रहा है, इसको हम सब जानते हैं। इसके सम्बन्ध में थोड़ी देर के लिए उनका वक्तव्य न भी आता, तब भी कोई बात नहीं थी। कुछ चीजें हैं जिनके बारे में हम ध्यानाकर्षण नोटिस देते हैं और उनको आप मंज़ूर भी करते हैं। हम उन चीजों को सामने रखना चाहते थे जिससे यह सरकार गिर सकती है हमने एंगिवला के बारे में आपको एक ध्यानाकर्षण नोटिस दिया था.....

MR. SPEAKER : Order, order. I do not allow all this speech. You must sit down now. I am on my legs.

श्री शिव चन्द्र झा : हमने यहां पर साम्राज्यवाद को दफना दिया है लेकिन इसका भूत एनिवला में अपना सिर उठा रहा है। उसके मुताल्लिक हमने एक नोटिस दिया था...

MR. SPEAKER : Order, order. Nothing will be noted down.

SHRI SHIVA CHANDRA JHA : \*

MR. SPEAKER : Will you kindly sit down now ? The leaders must help me.

श्री मधु लिमये : वे सिर्फ कह रहे हैं कि एनिवला के बारे में की तो वक्तव्य आना चाहिए।